11303

Reg. No. | | | | | | | | |

III Semester B.Sc./ B.S.R.S. Degree Examination, March - 2021

HINDI

(CBCS Repeaters from 2016-17 Onwards)

Natak Sahityakaronka parichay aur Sankshepan

Time : 3 Hours **Maximum Marks : 70**

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द या वाक्यांश में लिखिए। **(10×1=10)**

1) होस्टल में व्यवस्था के लिए कौन प्रसिद्ध थे?
2) शोभा को समारोह में गाने का निमंत्रण किसने दिया?
3) शादी के कितने महीने बाद जीजी विधवा हो गई थी?
4) महिला विद्यालय के मन्त्री कौन थे?
5) अजित की पढाई कहाँ तक हुई थी?
6) कमला के बाबा का नाम क्या था?
7) अप्पी की उम्र कितनी थी?
8) सेठ की पोती का नाम लिखिए?
9) "बिना दीवारों के घर" के नाटककार कौन है?
10) 'वह है ही' अजित मेड – यह किसका कथन है?

II किन्हीं दो की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। **(2×7=14)**

1. जाकर करूँगी क्या? कोई गाना तैयार नहीं है, रियाज़ के लिए समय ही कहाँ मिल पाता है।
2. देखो अजित, पढ़ी–लिखी मैं चाहे बहुत नहीं हूँ पर उम्र में तुमसे दस साल बडी हूँ। दुनिया देखी है..... और आदमी परखने की नज़र भी मेरी तुमसे कहीं ज्यादा है।
3. इस्तीफा देने के पहले जिस दिन मैंने बात की है न जीजी, उस दिन ऐसा सुनाया था जनरल मैनेजर को कि मंजूर करने के सिवाय कोई रास्ता हीं नहीं था उन लोगों के पास। न भी करते तो मैं–

P.T.O.

III 'बिना दीवारों के घर' नाटक का सारांश लिखकर विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। (1×16=16)

(अथवा)

बिना दीवारों के घर' नाटक की नायिका शोभा के चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

IV किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए। (2×5=10)

1. मीना।
2. जीजी।
3. अजित।

V किसी एक साहित्यकार का परिचय दीजिए। (1×10=10)

1. कृष्णा सोबती।
2. विष्णु प्रभाकर ।

VI उचित शीर्षक देते हुए एक तिहाई में संक्षेपण कीजिए। (1×10=10)

भारत के अधिकांश रहने वालों की एक खास आदत है कि पेट का थोड़ा सा इन्तजाम हो जाने पर वे फिर आमदनी बढ़ाने क कोशिश नहीं करते। उनका जीवन बहुत ही सरल और सादा होता है । वे अपने कष्टों को बहुत कुछ सह लेते हैं। इन सब बातों की वजह से उनके रहन–सहन का दर्जा भी बहुत नीचा होता है। वे आधा पेट खाकर दिन बिताते हैं आप पूछ सकते हैं कि क्या भारत में भोजन की कमी है? यह ऐसा सवाल है जिसके ऊपर भिन्न–भिन्न लोगों के विचार एक से नहीं है। मालथस नामक एक अंग्रेज अर्थशास्त्री का कथन है कि जनसंख्या भोजन की चीजों से कहीं अधिक तेजी से बढ़ती है। उनके विचारों पर बहुत कुछ कहा जा चुका है तिस पर भी यह विचार अभी तक आदर की दृष्टि से देखे जाते हैं। यह स्पष्ट है कि भारत में जनसंख्या की बहुत ज्यादा वृद्धि हुई है और जनसंख्या के एक भाग को एक वक्त भी पेट भर भोजन नहीं मिलता।